>

Title: Need to exempt 'Mehandi industry' from Central sales tax.

श्री लालचन्द कटारिया (जयपुर ग्रामीण): मेहंदी उद्योग पर खुदरा मूल्य का 10.3 प्रतिशत की दर से केन्द्रीय उत्पाद शुल्क लगाने का प्रस्ताव है। मेहंदी उद्योग एक कुटीर उद्योग है और यह राजस्थान के पाली जिले के लोगों का मुख्य रोजगार का साधन है। मेहंदी एक कृषि उत्पाद है जो राजस्थान के पिछड़े एवं रेगिस्तान क्षेत्रों मे उगाया जाता है तथा इसके हजारों किसान, मजदूर एवं महिलाएं कार्यरत हैं। इसकी पैंकिंग छोटे-छोटै पाउचों में ऐसे मजदूरों द्वारा की जाती है जो आर्थिक रूप से गरीब एवं पिछड़े हुए हैं। अगर मेहंदी उद्योग में खुदरा मूल्य पर 10.03 प्रतिशत की दर से उत्पाद शुल्क लगा दिया जायेगा तो यह उद्योग प्रतिस्पर्धात्मक बाजार में नहीं टिक पायेगा और लाखों लोग बेरोजगार हो जायेंगे तथा यह कुटीर उद्योग बंद होने के कगार पर खड़ा हो जायेगा।

अतः क्षेत्र की जनभावनाओं को ध्यान में रखते हुए मेरा आपसे पुनः अनुरोध है कि मेहंदी उद्योग को उत्पाद शुल्क से मुक्त किया जाए नहीं तो राजस्थान के इस रेगिस्तानी एवं पिछड़े क्षेत्र के लाखों गरीब किसान, मजदूर एवं महिलाऐ बेरोजगार हो जाएंगे।